University in News on 19 July 2021

JAGRAN CITY PAGE I

एमएससी चौथे सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की एमएससी न्यूट्रिशन चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 26 जुलाई और बीए छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं दो अगस्त से शुरू होंगी। रविवार को विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर इसका कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। बीए की यह परीक्षाएं सुबह आठ से 11 बजे तक और एमएससी न्यूट्रिशन चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं दोपहर दो से तीन बजे तक होंगी।

एमएससी (न्यूट्रिशन) चौथा सेमेस्टर: 26 जुलाई को इलेक्टिव पेपर में न्यूट्रिशन एंड हेल्थ आफ वूमेन, सात अगस्त को एडवांस्ड न्यूट्रिशन-2, नौ अगस्त को फूड प्रोडक्ट डेवलपमेंट और 11 अगस्त को रिसर्च टेकिनक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन विषय की परीक्षा होगी।

बीए छठा सेमेस्टर : दो अगस्त को उर्दू/संस्कृत, फ्रेंच/फंग्शनल संस्कृत, तीन अगस्त को एजुकेशन सायकोलाजी, चार अगस्त को एआइएच/ एमआइएच/ एशियन कल्चर/ अरब कल्चर/ अरेबिक, पांच अगस्त को पालीटिकल साइंस/ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, डिफेंस स्टडीज/ टीटीएम, छह अगस्त को फिलासफी, सात अगस्त को अंग्रेजी, नौ अगस्त को हिन्दी, फंग्शनल हिन्दी, 10 अगस्त को इकोनामिक्स/ लिंग्विस्टिक/ पर्शियन/ ज्योर्तिविज्ञान, 11 अगस्त को सोशल वर्क/ सोशियोलाजी, 12 अगस्त को जियोग्राफी/ फिजिकल एजुकेशन और 14 अगस्त को होम साइंस विषय की परीक्षा होगी।

लविवि : पीएचडी कोर्स वर्क की परीक्षाएं 26 व 28 को

लखनऊ विश्वविद्यालय के कामर्स विभाग ने पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा 2019-20 की समय सारिणी जारी की है। 26 जुलाई को एनालिटिकल टेक्निक्स फार बिजनेस रिसर्च और 28 जुलाई को कान्टेम्प्रेरी इश्यूज आफ कामर्स एंड बिजनेस स्टडीज विषय की परीक्षा होगी। दोनों परीक्षाओं का समय सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक रहेगा। विभाग के हेड प्रो. अवधेश कुमार के इन परीक्षाओं के लिए छात्र-छात्राओं को सुबह 10.30 बजे विभाग में कोविड प्रोटोकाल के अनुसार रिपोर्ट करने के निर्देश दिए हैं।

पैकेट में बिकने वाले खाद्य पदार्थों पर शोध करेगा लखनऊ विवि

जासं, लखनऊ: लखनऊ विवि अब बाजारों में पैकेट में बिकने वाली मछली, मांस से लेकर मटर सहित तमाम खाद्य पदार्थों और सब्जियों पर शोध करेगा। इसके लिए ओएनजीसी सेंटर में एडवांस न्यूट्रिशन सेल कल्चर लैब तैयार की गई है। इससे यह देखा जाएगा कि खाद्य पदार्थों को सड़ने-गलने से बचाने के लिए जो केमिकल डाला जा रहा, वह मानक के अनुरूप है या नहीं।

सेल कल्चर लैब का उद्घाटन सोमवार शाम कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय करेंगे। ओएनजीसी सेंटर के निदेशक डा. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि बाजार में बिकने वाले प्रोसेस्ड फूड (पैकेट वाला) में मोनो सोडियम ग्लूटामेट मिलाया जाता है, लेकिन अधिक मात्रा में मिलाने से यह स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक होता है। इसलिए सेल कल्चर लैब में शोध के माध्यम से यह पता लगाएंगे कि कौन-कौन से ऐसे खाद्य पदार्थ हैं, जिनमें इसकी मात्रा मानक से अधिक है। इसकी रिपोर्ट तैयार कर लविवि व संबंधित विभाग को भेजी जाएगी। लैब में बैक्टीरिया, वायरस, सेल कल्चर सहित अन्य चीजों पर काम करेंगे।

लविवि के ओएनजीसी सेंटर में स्थापित इंस्टीट्यूट आफ एडवांस मालीकुलर जेनेटिक में कोरोना की जांच की भी योजना तैयार की गई है। इसके लिए आरटीपीसीआर मशीन खरीदी जाएगी।

PIONEER PAGE 3

विकास के अनुरूप ही तय हो जनसंख्या नियंत्रण की रूपरेखा: प्रो. अग्रवाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के पॉपुलेशन रिसर्च सेंटर द्वारा रविवार को उत्तरप्रदेश के परिदृश्य में जनसंख्या विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में पॉपुलेशन रिसर्च सेंटर के अध्यक्ष व निदेशक प्रो. एमके अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश में होने वाले विकास पर चर्चा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि विकास के अनुरूप ही जनसंख्या नियंत्रण की रूप रेखा तय की जानी चाहिए।

वेबिनार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सांख्यिकी विभाग के सह निदेशक डीके ओझा ने उत्तर प्रदेश में पिछले एक दशक होने वाले जनसांख्यिकी परिवर्तनों व सुधारों पर वृहद चर्चा की। उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण एवं स्वास्थ्य कल्याण के महत्वपूर्ण कारकों पर प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश भारत के सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य है जहाँ 65 प्रतिशत से ज्यादा आबादी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है। ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं की शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति कम जागरूकता, कम उम्र में विवाह, गरीबी, रोजगार में कमी एवं जनसंख्या नियंत्रण के संसाधनों के विषय में जानकारी के अभाव आदि के कारण जनसंख्या वृद्धि तेजी से बढ़ती रही है। हालांकि पिछले एक दशक में सरकार व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से ग्रामीण जनसंख्या को जनसंख्या नियंत्रण के तरीके व फायदे के बारे में लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। ग्रामीण महिलाओं की कम उम्र में विवाह का प्रतिशत कम हुआ है साथ ही उनके स्वास्थ्य में भी सुधार देखने को मिल रहा है। ओझा ने जनसंख्या नियंत्रण में महिलाओं की भूमिका पर जोर देते हुए बताया कि यदि महिलाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया जाए एवं लिंग.असमानताए महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया जाए व साथ ही विवाह की न्यूनतम आयु सीमा बढ़ाई जाए तो जनसंख्या दर को प्रभावी तरीके से नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीए छठे और एमएससी न्यूट्रिशन चौथे सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीए छठे सेमेस्टर (स्टैटिस्टिक्स, मैथ्स व एंथ्रोपॉलॉजी को छोड़कर) और एमएससी न्यूट्रिशन चौथे सेमेस्टर के रेगुलर, बैक पेपर व एग्जेम्पटेड का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। बीए चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं दो से 14 अगस्त के बीच सुबह 8 बजे से 11 बजे तक होंगी। वहीं, एमएससी चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 26 जुलाई और सात, नौ व 11 अगस्त को दोपहर दो से तीन बजे तक होंगी। लविवि ने परीक्षा कार्यक्रम वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। वहीं, कॉमर्स में कोर्स वर्क 26 और 28 जुलाई को होगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

FIRST INDIA PAGE 4

LU to get new faculty of Shaivism

First India Bureau

Lucknow: The Academic Council of Lucknow University has approved setting up of a new faculty by upgrading the status of Abhinavagupt Institute of Aesthetics and Shaiva Philosophy.

The council also approved new courses from next session.

The Abhinavagupt Institute of Aesthetics and Shaiva Philosophy, named after the philosopher, mystic and aesthetician from Kashmir, was constituted in LU for research in Shaivism.

Till now, it was an autonomous institute, but now it will have faculty status. The institute will have more power and resources for teaching and research. It will run a full-fledged paper on Shaiva Philosophy and Aesthetics in MA (Sanskrit) course and conduct doctoral studies. This is LU's eleventh faculty.

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

विकास ही जनसंख्या नियंत्रण का प्राकृतिक साधन : प्रो. मनोज

'पापुलेशन सिनेरियो इन उत्तर प्रदेश' विषय पर वेबिनार

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा रविवार को 'पापुलेशन सिनेरियो इन उत्तर प्रदेश' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। जूम के माध्यम से आयोजित इस वेबिनार में विशिष्ट वक्ता के रूप में एसजीपीजीआई के बायोस्टेटिस्टिक्स के रिटायर्ड प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष प्रो. सी. एम. पाण्डेय उपस्थित थे।

इस वेबिनार में अन्य अतिथियों में पॉपुलेशन रिसर्च सेंटर, इंस्टिट्यूट ऑफ इकोनॉमी ग्रोथ, नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं निदेशक प्रो. सुरेश शर्मा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सांख्यिकी विभाग के सह निदेशक डी. के. ओझा एवं पॉपुलेशन रिसर्च सेंटर, लखनऊ के अध्यक्ष व निदेशक प्रो. एम.के. अग्रवाल उपस्थित रहे। प्रो. एम. के. अग्रवाल. ने उत्तर प्रदेश में होने वाले विकास पर चर्चा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि विकास के अनुरूप ही जनसंख्या नियंत्रण की रूप-रेखा तय की जानी चाहिए।

वेबिनार में डी.के. ओझा ने उत्तर प्रदेश में पिछले एक दशक होने वाले जनसांख्यिकी परिवर्तनों व सुधारों पर वृहद चर्चा की। उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण एवं स्वास्थ्य कल्याण के महत्वपूर्ण कारकों पर प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश भारत के सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य है, जहाँ 65 प्रतिशत से ज्यादा आवादी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है। ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं की शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति कम जागरूकता, कम उम्र में विवाह, गरीवी, रोजगार में कमी एवं जनसंख्या नियंत्रण के संसाधनों के विषय में जानकारी के अभाव आदि के कारण जनसंख्या वृद्धि तेजी से वढ़ती रही है।

हालांकि पिछले एक दशक में सरकार व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से ग्रामीण जनसंख्या को जनसंख्या नियंत्रण के तरीके व फायदे के वारे में लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। ग्रामीण महिलाओं की कम उम्र में विवाह का प्रतिशत कम हुआ है, साथ ही उनके स्वास्थ्य में भी सुधार देखने को मिल रहा है।

श्री ओझा ने जनसंख्या नियंत्रण में महिलाओं की भूमिका पर प्रमुख जोर दिया एवं वताया कि यदि महिलाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया जाए एवं लिंग-असमानता, महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया जाए, साथ ही विवाह की न्यूनतम आयु-सीमा वढ़ाई जाए तो जनसंख्या दर को प्रभावी तरीके से नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही इस वेविनार में जनसंख्या एवं कोरोना टीकाकरण पर भी चर्चा की गई।